

## Padma Shri



### **SHRI PRAN SABHARWAL**

Shri Pran Sabharwal is the Director and Chief Executive of the Board of National Theatre Arts Society (NTAS) who is known for his contribution in Theaters.

2. Born on 9<sup>th</sup> December, 1930, Shri Sabharwal received his Bachelor of Arts degree from the University of Punjab in 1953. His theatre group NTAS emerged in 1953. Being an 'A' Class Radio and Doordarshan Drama artist since 1952, he participated in 500 Radio and National AIR Plays, T.V. films, plays, serials, three National Award winning Punjabi films and many "Light and Sound" shows of Central and State Governments. He also won praise for participation in about five thousand stage events as drama actor and one-man humorous performer in value-based shows of Central, State Governments and public during 70 years of his continuous theatre activity. Besides, he imparted theatre training to over 2500 youths.

3. Shri Sabharwal created "Speech Drama & Music Department" in Punjab University Patiala in 1967, where he served as faculty member for teaching acting for 3 years. The department was renamed as "Theatre and Television Department", where he remained a guiding force as "Fellow" of the department till 2017.

4. Shri Sabharwal shifted to Patiala in 1962 and continued organising 2-day theatre festivals on each Independence and Republic Day every year till 1988 completing 50 annual theatre festivals. Shri Sabharwal alongwith his artist wife Smt. Sunita Sabharwal arranged World Theatre tour in association with World Punjabi Associations, Ministry of Culture Government of India and I.C.C.R. They visited Canada, USA, UK, Paris, Hungary, Czechoslovakia, Poland, Norway, Singapore and Malaysia and strengthened cultural ties with them by organizing meetings, performances and photo exhibitions.

5. Shri Sabharwal received worldwide recognition for producing two episode T.V. documentary film "Rang Lok Di Gatha" depicting history of Punjabi Theatre movement, interviews with living legends and their creations. He got praise for his producing "Ahinsa Parmo Dharma", a play in Sanskrit language, staging at 8 places in the state; producing and widely staging "Punjabi Bal Ramayan", a Punjabi play, written by Sunita Sabharwal, launching "Monthly Garden Theatre movement", which completed 22 years covering 258 continuous Monthly Natak Melas.

6. Shri Sabharwal is the recipient of numerous awards like Punjab Government's highest Shiromani Natakkar Award 2015, Punjab Government State Award Parman Patra - 2022, two times Independence Day and one time Republic Day Parman Patra Awards. He received "Hungary International Cultural Award of Honour 1990" from National Institute of Music and Drama Budapest (Hungary); "Indo- Norway, Amity Award 91" from Indian Welfare Society OSLO (Norway), "Pride of Punjab Award 2017 at World Punjabi Conference Pune; "Canada - Punjabi Brotherhood Award of Honour 97" Ottawa (Canada); Patiala Rattan Award by Punjab Governor 2000; "Life Time Achievement Award by Prasar Bharti Akashvani 2014.

## पद्म श्री



### श्री प्राण सभरवाल

श्री प्राण सभरवाल बोर्ड ऑफ नेशनल थिएटर आर्ट्स सोसाइटी (एन टी ए एस) के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं, जिन्हें थिएटर में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

2. 9 दिसंबर, 1930 को जन्मे, श्री सभरवाल ने 1953 में पंजाब विश्वविद्यालय से कला स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उनका थिएटर ग्रुप एनटीएस 1953 में अस्तित्व में आया। 1952 से 'ए' श्रेणी के रेडियो और दूरदर्शन नाटक कलाकार होने के नाते, उन्होंने 500 रेडियो और राष्ट्रीय आकाशवाणी नाटकों, टीवी फिल्मों, नाटकों, धारावाहिकों, तीन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पंजाबी फिल्मों और केंद्र व राज्य सरकारों के कई "लाइट एंड साउंड" शो में हिस्सा लिया। अपनी 70 वर्षों की अनवरत थियेटर यात्रा के दौरान उन्होंने केंद्र, राज्य सरकारों के ज्ञानवर्धक शो में नाट्य अभिनेता और वन-मैन हास्य कलाकार के रूप में करीब पांच हजार मंचीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रशंसा अर्जित की। इसके अलावा, उन्होंने 2500 से अधिक युवाओं को थिएटर का प्रशिक्षण दिया।

3. श्री सभरवाल ने 1967 में पंजाब विश्वविद्यालय पटियाला में "भाषण, नाटक और संगीत विभाग" स्थापित किया, जहां उन्होंने 3 वर्षों तक अभिनय सिखाने के लिए संकाय सदस्य के रूप में कार्य किया। विभाग का नाम बदलकर "थिएटर और टेलीविजन विभाग" कर दिया गया, जहां वह 2017 तक विभाग के "फेलो" के रूप में मार्गदर्शन करते रहे।

4. श्री सभरवाल 1962 में पटियाला चले गए और 1988 तक हर साल प्रत्येक स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर 2 दिवसीय थिएटर उत्सव का आयोजन करते रहे और 50 वार्षिक थिएटर उत्सव पूरे किए। श्री सभरवाल ने अपनी कलाकार पत्नी श्रीमती सुनीता सभरवाल के साथ विश्व पंजाबी संघों, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और आईसीसीआर के सहयोग से वर्ल्ड थियेटर टूर की व्यवस्था की। उन्होंने कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, पेरिस, हंगरी, चेकोस्लोवाकिया, पोलैंड, नॉर्वे, सिंगापुर और मलेशिया का दौरा किया और बैठक, प्रस्तुतियाँ और फोटो प्रदर्शनियाँ आयोजित करके उनके साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत किया।

5. श्री सभरवाल को पंजाबी थिएटर आंदोलन के इतिहास, जीवित शख्सियतों के इंटरव्यू और उनकी रचनाओं को दर्शाने वाली दो एपिसोड वाली टीवी डॉक्यूमेंट्री फिल्म "रंग लोक दी गाथा" के निर्माण के लिए दुनिया भर में पहचान मिली। उन्हें संस्कृत भाषा के नाटक "अहिंसा परमो धर्म" जिसका राज्य में 8 स्थानों पर मंचन हुआ; सुनीता सभरवाल द्वारा लिखित एक पंजाबी नाटक, "पंजाबी बाल रामायण" के निर्माण और व्यापक मंचन, "मंथली गार्डन थिएटर मूवमेंट" आरंभ करने, जिसने लगातार 258 मासिक नाटक मेलों के साथ 22 साल पूरे कर लिए हैं, के लिए तारीफ मिली।

6. श्री सभरवाल पंजाब सरकार के सर्वोच्च शिरोमणि नाटककार पुरस्कार 2015, पंजाब सरकार के राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र – 2022, दो बार स्वतंत्रता दिवस और एक बार गणतंत्र दिवस प्रमाण पत्र पुरस्कार जैसे कई पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ म्यूजिक एंड ड्रामा बुडापेस्ट (हंगरी) से "हंगरी इंटरनेशनल कल्चरल अवार्ड ऑफ ऑनर 1990"; इंडियन वेलफेयर सोसाइटी ओस्लो (नॉर्वे) की ओर से "इंडो-नॉर्वे, एमिटी अवार्ड 91", "वर्ल्ड पंजाबी कॉन्फ्रेंस पुणे में प्राइड ऑफ पंजाब अवार्ड 2017; "कनाडा-पंजाबी ब्रदरहुड अवार्ड ऑफ ऑनर 97" ओटावा (कनाडा); पंजाब राज्यपाल द्वारा 2000 में पटियाला रत्न अवार्ड; "प्रसार भारती आकाशवाणी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार 2014 प्राप्त हो चुके हैं।